# पहले अपने संस्कारों में सतयुग लायें...

देश में स्वास्तिक का बहुत महत्त्व है। इसे हर त्योहार पर और पूजा-पाठ में बनाते हैं। स्वास्तिक का अर्थ है 'स्व का अस्तित्व'। ये हमारे सृष्टि चक्र के चार भाग हैं। पहले भाग में हाथ सामने है, दूसरे में हाथ नीचे गया, तीसरे भाग में हाथ उल्टी तरफ से सीधा हो गया और चौथे भाग में हाथ खड़ा बन गया। पहला भाग माना सतयुग है। हम दूसरों को दुआएं दे रहे हैं। इसलिए सतयुग में रहने वाली आत्मा को दिव्यात्मा कहा जाता है। इसलिए देवी-देवताओं के हाथ हमेशा देने की मुद्रा में दिखाए जाते हैं। अगला हाथ त्रेतायुग माना, हाथ नीचे हो गया। द्वापर युग में हाथ लेने की मुद्रा में आ गया। और कलियुग में हाथ खड़ा हो गया। ये है स्वास्तिक।

स्वास्तिक सिर्फ बनाने से शुभ नहीं होता, उसकी तरह बनने से शुभ होगा। वर्तमान समय हाथ खड़ा वाला युग है, मानकर चलते हैं कि मारने वाला युग है। पर हम सारा दिन सबसे ज़्यादा किसको मारते हैं? अपने आपको मारते हैं। एक ही चीज़ हम सोचते जाते हैं, सोचते जाते हैं। खुद को कष्ट देते जाते हैं। सामने वाला हमें एक लाइन बोलता है, और हम कितनी लाइन बोलते हैं अंदर? फिर कहते हैं उसने मेरा दिल दुखाया। अब हमें कौन-सी दुनिया लानी है? हाथ देने की मुद्रा वाली दुनिया।

इसलिए हर एक को दुआएं देने का संस्कार बनाइए। मांगने का संस्कार खत्म कीजिए। मांगना मतलब आप मेरे से प्यार से बात करो, आप मुझे सम्मान दो, आप मेरा कहना मानो। देने वाली आत्मा बनिए। जो देने वाली आत्मा बनेगा, उसका सतयुग आज से शुरू हो जाएगा। सृष्टि पर भले कलियुग चल रहा

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

हो, पर आपके संस्कारों में अगर सतयुग आ गया, तो आपकी सतयुगी दुनिया आज से शुरू हो जाएगी। क्या आप सभी तैयार हैं अपने जीवन को परिवर्तित करने के लिए? इसके लिए हमें सिर्फ स्वास्तिक याद रखना है और अपने जीवन को शुभ बनाना है। मांगना नहीं है किसी से।

हम जब एक नई ड्रेस भी पहनते हैं, तो इंतज़ार करते हैं कि कोई प्रशंसा करेगा। खाना बनाते हैं तो इंतज़ार करते हैं किसी ने बोला ही नहीं कि अच्छा बना है। कोई बोले तो बहुत अच्छा। लेकिन चाहिए कि मुद्रा में खड़े होना... एक प्रकार का नशा है। और हमें पता ही नहीं चलता है कि नाम, मान, शान, महिमा सबसे बड़ा नशा है। और वो ही नशा हमारी बुद्धि को मांगने वाला बनाता है। हम मांगने वाले नहीं हैं।

आप एक संकल्प करें कि मुझे किसी से कुछ नहीं चाहिए। आस-पास के सब लोगों की कल्पना करें, सामने लेकर आएं और उनको देखते हुए बोलें कि मुझे इससे कुछ नहीं चाहिए। मैं इन सबको देने वाली आत्मा हूँ। देने वाली मतलब दुआएं देना, सम्मान देना, मान देना, और इन सबके बदले मैं कुछ भी उम्मीद नहीं करूंगा/करूंगी। हम जब सम्मान देंगे, दुआएं देंगे तभी हमारा जीवन अच्छा होगा। क्योंकि हमारा भाग्य सिर्फ और सिर्फ हमारे कर्म से बनता है। दूसरों का कर्म हमारा भाग्य न बना सकता है, न बिगाड़ सकता है। वो सिर्फ और सिर्फ हमारे कर्म से होता है। तो हमें ध्यान सिर्फ अपने कर्म पर रखना है। तो जैसे ही मन मांगने की मुद्रा में खड़ा हो, उसको जल्दी से बदलकर देने वाली मुद्रा में बना दो।

**ज्ञानसरोवर-मा.आबू।** आध्यात्मिक ज्ञानचर्चा के पश्चात् नीरज कोचर,चेयरमैन विराज प्रोफाइल्स प्रा.लि. को प्रसाद देते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका एवं ज्ञानसरोवर निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी।

**दिल्ली-करोल बाग(पाण्डव भवन)।** गोदावरी ऑडिटोरियम,आंध्रा एसोसिएशन,लोधी रोड,दिल्ली में सनातन युवा भारत और सनातन युवा वाहिनी द्वारा ब्र.कु. विजय बहन को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री श्री श्री वेदवर्धन तीर्थ स्वामी, इस्कॉन के अंतर्राष्ट्रीय प्रचारक श्री श्री स्वामी महामंत्रदास जी, माता अमृतनंदमयी मठ से स्वामी मोक्षामृत चैतन्य जी तथा अन्य महानुभव उपस्थित रहे।

**चीन-शंघाई।** शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित दिवाली मेला 2024 में ब्रह्माकुमारीज़ को प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान और प्राचीन राजयोग को प्रदर्शित करने हेतु स्टॉल लगाने के लिए आमंत्रित किया गया। हज़ारों लोगों ने स्टॉल का अवलोकन किया जिसमें नेपाल और इंडोनेशिया जैसे कुछ देशों के महावाणिज्यदूत और अधिकारी, शंघाई के विदेश मामलों के विभाग के अधिकारी और स्थानीय चीनी शामिल रहे। इस दौरान ब्र.कु. सपना बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

**कादमा-हरियाणा।** बाढडा के नव निर्वाचित विधायक उमेद पातुवास के ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आने पर पटका पहनाकर व ईश्वरीय सौगात भेंट कर उन्हें सम्मानित करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, झोझूकलां सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

**करनाल से.7-हरियाणा।** हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रेम बहन। साथ हैं ब्र.कु. शिविका बहन, कैप्टन आर.के. राणा एवं पूर्व डिप्टी डायरेक्टर धरम सिंह भारती।

**लखीसराय-बिहार।** पॉवर ग्रिड उपकेंद्र लखीसराय में पॉवर ग्रिड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने और लोगों को जागरुक करने के लिए आयोजित आठ दिवसीय सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि' सहित विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज़ पटना से आये प्रबंधन विशेषज्ञ संजय कुमार ने निवारक सतर्कता उपाय पर पावरपॉइंट द्वारा ट्रेनिंग दिया तथा स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रीता बहन ने मन के सशक्तिकरण हेतु सामूहिक राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में पॉवर ग्रिड उपकेंद्र के मुख्य प्रबंधक अमित कुमार सिन्हा सहित अन्य सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,

पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000

Website: www.omshantimedia.org